



प्रेषक,

अनिल कुमार,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय,
कानपुर।

औद्योगिक विकास अनुभाग-6

लखनऊ : दिनांक 23 मार्च, 2022

विषय:- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012 के क्रियान्वयन हेतु रु.155.34 लाख की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उ0प्र0 वित्तीय निगम के पत्रांक 517/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 06-10-2021, पत्रांक 457/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 22-09-2021 एवं पत्रांक-785/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 11.01.2022, पत्रांक-194/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 09.02.2022 एवं पत्रांक-195/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 09.02.2022 द्वारा अवगत कराया गया है कि औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012 के अन्तर्गत पात्र इकाई मे0 अपोलो मेटालेक्स प्रा0लि0 बुलन्दशहर को (वित्तीय वर्ष 2016-17) एवं मे0आर0एल0जे0 इन्फ्रासीमेन्ट प्रा0लि0 मिर्जापुर को (वित्तीय वर्ष 2016-17) हेतु ब्याज मुक्त ऋण स्वीकृत किया गया है। इकाईयो को स्वीकृत ब्याज मुक्त ऋण वितरित किये जाने हेतु औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012 के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि रु.70.33 करोड़ (रूपया सत्तर करोड़ तैतीस लाख मात्र) के सापेक्ष कुल धनराशि रु.155.34 लाख (रूपया एक करोड़ पचपन लाख चौतीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने का अनुरोध किया गया है, पात्र इकाईयों का विवरण निम्नवत् हैं:-

क्रमांक	इकाई का नाम	धनराशि (रु.लाख में)
1	मे0 अपोलो मेटालेक्स प्रा0लि0 बुलन्दशहर (वित्तीय वर्ष 2016-17)	65.89
2	मे0आर0एल0जे0इन्फ्रासीमेन्ट प्रा0लि0 मिर्जापुर (वित्तीय वर्ष 2016-17)	89.45
	योग-	155.34 (रूपया एक करोड़ पचपन लाख चौतीस हजार मात्र)

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012 के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-7 के लेखा शीर्षक-6885-उद्योग तथा खनिज के लिए अन्य कर्ज-01-औद्योगिक वित्तीय संस्थाओं को कर्ज-190-सार्वजनिक क्षेत्र तथा अन्य उपक्रमों को कर्ज-07-औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012-30-निवेश/ऋण, में प्राविधानित धनराशि रु.70.33 करोड़ (रूपया सत्तर करोड़ तैतीस लाख मात्र) के सापेक्ष अवशेष धनराशि में से उक्त इकाईयों को ब्याज मुक्त ऋण वितरित करने हेतु रु.155.34 (रूपया एक करोड़ पचपन लाख चौतीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निर्गत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- स्वीकृत धनराशि का भुगतान जिस इकाई को किया जाना है उसके खाते में सीधे जमा की जाएगी।
- किसी परिस्थिति में धनराशि को पूर्व से आहरित करके एकमुश्त बैंक खाते/अन्य किसी खाते में नहीं रखा जाएगा।

3. स्वीकृत धनराशि का लेखा-जोखा 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा रखा जाएगा।
4. स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रबंध निदेशक, 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा हस्ताक्षरित कर आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग, कानपुर के माध्यम से शासन के औद्योगिक विकास अनुभाग-6/ वित्त(आय-व्यय) अनुभाग-4 तथा समस्त संबंधितों को उपलब्ध कराया जाएगा।
5. यह धनराशि उन पात्र इकाईयों को उपलब्ध करायी जाएगी जो औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2012(यथासंशोधित) में उल्लिखित शर्तों का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित करती हो।
6. यह धनराशि ऐसी पात्र नई इकाईयों, जिनके प्रत्यावेदन 30प्र0 वित्तीय निगम में प्राप्त हो या आगे प्राप्त होंगे को उनके प्राप्त प्रत्यावेदनों के यथाक्रम में वरीयतानुसार समस्त आवश्यक औपचारिकताएं एवं अनुबन्ध पूर्ण कराते हुए उपलब्ध करायी जाएगी।
7. पात्र इकाईयों को वितरित ऋण की वसूली का पूर्ण उत्तरदायित्व 30प्र0 वित्तीय निगम पर होगा। 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा इकाईयों को स्वीकृत किये गये ऋण की वापसी हेतु औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली 2012 में दिए गए प्राविधानों के अनुसार प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा धनराशि की सुरक्षा हेतु समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जाएगी।
8. 30प्र0 वित्तीय निगम पर यह सुनिश्चित करने का दायित्व होगा कि पात्र इकाईयों को अनुमन्य ब्याज मुक्त ऋण की धनराशि राज्य सरकार की नीति के प्रावधानों के अनुसार है। स्वीकृत की जा रही धनराशि की शुद्धता 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।
9. 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित इकाई द्वारा ऋण की अदायगी किये जाने के 02-03 कार्य दिवसों के अन्दर धनराशि राजकोष में जमा करा दी जाए।
10. ऋण वापसी में विलम्ब करने वाली इकाई से वसूला जाने वाली ब्याज(1.25 प्रतिशत प्रतिमाह साधारण ब्याज) राजकोष में जमा कराया जाएगा।
11. स्वीकृत धनराशि का आहरण राजकोष से तात्कालिक आवश्यकता के आधार पर ही किया जाएगा।
12. स्वीकृत धनराशि का आहरण एक माह की आवश्यकतानुसार किया जाएगा। आवश्यकता का आंकलन आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग, कानपुर द्वारा किया जाएगा। 30प्र0 वित्तीय निगम को उपलब्ध कराए गए ऋण के सापेक्ष 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा ऋण वितरण का अनुश्रवण भी आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग कानपुर द्वारा किया जाएगा तथा धनराशि के सदुपयोग के संबंध में संतुष्ट होने के उपरांत ही अगली किश्त का आहरण किया जाएगा।
13. 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा वितरित ऋणों की वसूली नियमित रूप से सुनिश्चित की जाएगी। वसूली में शिथिलता बरते जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारित कर अग्रेतर कार्यवाही प्रशासकीय विभाग द्वारा की जाएगी।
14. स्वीकृत धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व वित्त(आय-व्यय) अनुभाग-1 के कार्यालय जाप दिनांक 22 मार्च, 2021 एवं अन्य संगत शासनादेशों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
15. स्वीकृत धनराशि का व्यय उसी मद में किया जाएगा जिसके लिए स्वीकृत किया गया है।
16. 30प्र0 वित्तीय निगम औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2012 के प्राविधानों के अनुसार इकाई की पात्रता का परीक्षण कर संतुष्ट हो लेंगे। इस बिन्दु पर भी संतुष्ट हो लेंगे कि औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2012 के अन्तर्गत उक्त इकाईयों को स्वीकृत किये गये ऋण की वापसी हेतु प्रभावी व्यवस्था तथा धनराशि की सुरक्षा हेतु समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गयी हैं एवं इस आशय की आख्या 30प्र0 वित्तीय निगम द्वारा आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग कानपुर को उपलब्ध कराने के पश्चात ही उनके द्वारा धनराशि आहरित की जाएगी।
17. 30प्र0 वित्तीय निगम धनराशि अवमुक्त करने के पूर्व इकाई की पात्रता एवं आकड़ों की शुद्धता का परीक्षण कर संतुष्ट हो लेंगे।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

18. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक में उद्योग विभाग की अनुदान संख्या-7 के लेखा शीर्षक-6885-उद्योग तथा खनिज के लिए अन्य कर्ज-01-औद्योगिक वित्तीय संस्थाओं को कर्ज-190-सार्वजनिक क्षेत्र के तथा अन्य उपक्रमों को कर्ज-07-औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना-2012-30-निवेश/ऋण के नाम डाला जाएगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-ई-3475-दस-2021-22, दिनांक 22.03.2022 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(अनिल कुमार)
संयुक्त सचिव।

संख्या-15/2022/266/77-6-2022-6003/67/2019, तददिनांक

उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ.प्र., प्रयागराज ।
2. महालेखाकार, (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ.प्र., प्रयागराज।
3. मुख्य कोषाधिकारी, कानपुर।
4. अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उ0प्र0 शासन।
5. नोडल अधिकारी, बजट एलाटमेंट, औद्योगिक विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
6. प्रबंध निदेशक, उ0प्र0 वित्तीय निगम को उनके पत्रांक 517/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 06-10-2021, पत्रांक 457/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 22-09-2021 एवं पत्रांक-785/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 11.01.2022, पत्रांक-194/विनि/वियोवि/2021-22 दिनांक 09.02.2022 एवं पत्रांक-195/विनि/ वियोवि/2021-22 दिनांक 09.02.2022 के क्रम में अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु।
7. आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय, कानपुर।
8. निदेशक, वित्तीय सांख्यिकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
9. वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1/4
10. वित्त(व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-6
11. नियोजन अनुभाग-1/4
12. औद्योगिक विकास अनुभाग-2
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(अनिल कुमार)
संयुक्त सचिव।